आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

1. ईश्वर व्यवस्था का ईश्वर है
बाइबिल एक स्थायी सत्य प्रकट करती है: जहाँ ईश्वर शासन करता है, वहाँ वह व्यवस्था स्थापित करता है। सृष्टि से लेकर चर्च तक, ईश्वर नेतृत्व की संरचनाएँ लगाता है जो उसकी प्राधिकार और बुद्धि को दर्शाती हैं।

परिवार में ईश्वर ने पिता को प्रधान, माता को सहायक, और बच्चों को आज्ञाकारी शिष्य के रूप में स्थापित किया है (इफिसियों 5:22‑33; कुलुस्सियों 3:18‑21)। जब ये व्यवस्था नहीं हो, तो परिवार अराजकता की ओर झुकता है। यदि कोई बच्चा पिता का स्थान लेने की कोशिश करे – निर्णय लेने या कर्तव्यों का विभाजन करने लगे – तो सद्भाव गिर जाता है।

यह ईश्वरीय व्यवस्था समाज और चर्च में भी लागू होती है।

“हर एक व्यक्ति शासकीय अधिकारियों के अधीन रहे, क्योंकि कोई
अधिकार ऐसा नहीं जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकारी हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं।
इसलिए जो कोई अधिकार का विरोध करता है, वह परमेश्वर की विधि का
सामना करता है, और सामना करनेवाले दंड पाएँगे।”
— रोमियों 13:1‑2 (BSI) (alkitab.me)

इस प्रकार अधिकार केवल मानव निर्मित नहीं हैं — ये एक धर्मशास्त्रीय वास्तविकता हैं। वैध अधिकारों के विरोध का अर्थ है अन्ततः परमेश्वर

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

की प्रभुता के इच्छा का विरोध करना, जिससे समाज और हमारे आध्यात्मिक जीवन दोनों पर परिणाम होते हैं (उदा. दानिय्येल 2:21; नीति वचन 8:15‑16)।

2. चर्च में ईश्वरीय आध्यात्मिक प्राधिकरण की स्थापना
जिस तरह वह समाज में नेताओं को चुनता है, वैसे ही ईश्वर चर्च में पादरी और आध्यात्मिक नेता नियुक्त करता है, ताकि वे अपनी झुंड की रक्षा करें। ये नेता स्वयं‑घोषित नहीं
होते। शास्त्र पुष्टि करता है कि ईश्वर उन्हें अपनी आत्मा से बुलाता है, क्षमता प्रदान करता है और नियुक्त करता है।

“अपने अगुवों की मानो; और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे उन की नाईं तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना पड़ेगा; कि वे यह काम आनन्द से करें, न कि ठंडी सांस ले लेकर, क्योंकि इस
दशा में तुम्हें कुछ लाभ नहीं।”
— इब्रानियों 13:17 (BSI)

“जो तुम्हें ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो मुझे ग्रहण करता है, वह उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है।”
— मत्ती 10:40 (BSI)

पादरी नेतृत्व मसीह का चर्च को दिया गया उपहार है। पादरी मसीह के

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

निरन्तर कार्य को उसके लोगों के लिए प्रस्तुत करते हैं। जो उन्हें अस्वीकार करता है, वह चर्च के प्रधान मसीह की अधिकारिता को अस्वीकार करता है (कुलुस्सियों 1:18)।

3. हमें अपने पादरीयों को क्यों सम्मान करना चाहिए?
(a) वे हमारी आत्माओं के लिए काम करते हैं
आपके पादरी आपके आध्यात्मिक जीवन की निगरानी करता है — वह सिखाता है, सलाह देता है, प्रार्थना करता है, और आपके साथ रोता है, ताकि आप मसीह की वृद्धि में आगे बढ़ें।

“उन से पहचान रखो जो तुम्हारे बीच काम करते हैं और जो तुम्हें प्रभु में पूर्वस्त कराते हैं, और उनका सम्मान करो बड़ी
श्रद्धा से, उन के काम की वजह से।”
— 1 थिस्सलोनियों 5:12‑13 (BSI)

“जो वचन का उपदेश करता है, वह अपने शिक्षक के साथ सभी उत्तम
चीजों में मिल साझा करे।”
— ग़लातियों 6:6 (BSI)

आपके पादरी को सम्मान देना कोई चापलूसी नहीं है — यह एक आध्यात्मिक अनुशासन है। यह ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करता है कि उसने उसकी देखभाल की व्यवस्था की है, और यह सुनिश्चित करता है कि नेता

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

प्रसन्नता से सेवा करें, न कि निराशा से (इब्रानियों 13:17)।

(b) उन्हें ईश्वर के समक्ष जवाबदारी देनी होगी
पादरी एक दिन ईश्वर के समक्ष खड़े होंगे और बताना होगा कि उन्होंने आप की किस तरह देखभाल की।

“अपने अगुवों की मानो; और उनके अधीन रहो; क्योंकि वे उन की नाईं तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना
पड़ेगा; ताकि वे यह काम आनन्द से करें और न कि आहें भरते हुए; क्योंकि इस तरह तुम्हें कोई लाभ न होगा।”
— इब्रानियों 13:17 (BSI)

पादरी की जिम्मेदारी उसकी आयु, क्षमता, या पद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है — यह आत्माओं की देखभाल से सम्बंधित है और इसका प्रभाव अनन्त है (याकूब 3:1; यहेजकेएल 33:6‑7)।

4. आध्यात्मिक अधिकारता की अनदेखी के खतरे
(i) यह ईश्वर के सेवकों को हतोत्साहित करता है
जब सनकी सदस्य विद्रोह करें, निर्देशों की उपेक्षा करें या विभाजन फैलाएँ, तो पादरी की भूमिका बोझ बन जाती है। इससे न केवल पादरी पर दबाव बढ़ता है, बल्कि पूरे समुदाय की आध्यात्मिक उन्नति रुक जाती है।

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

(ii) यह ईश्वर के न्याय को आमंत्रित करता है
उदाहरण के लिए, आAaron और मीरीयाम का, जिन्होंने मूसा की पत्नी के कारण उससे शिकायत की। ईश्वर ने शिकायत करने वालों को स्वीकार नहीं किया, बल्कि न्याय किया और यह स्पष्ट किया कि मूसा पर उसका समर्थन है।

“[मूसा] मेरे पूरे घर में विश्वासपात्र है। उसके साथ मैं मुख से मुख से बोलता हूँ, खुलकर, न कि पहेलियों में… आप लोग मेरे सेवक
से मुझ पर क्यों न डरते हैं?”
— संख्या 12:7‑8 (BSI)

चर्च में आलोचना, अपप्रचार और विद्रोह आत्मा को व्यथित करते हैं और आध्यात्मिक परिणामों के लिए द्वार खोलते हैं (नीति वचन 6:16‑19; यहूदा 1:8‑10)।

5. नेतृत्व की गलतियों से निपटने का तरीका
कोई पादरी पूर्ण नहीं है। जब गलतियाँ हों, तो शास्त्र हमें दया और बुद्धि से प्रतिक्रिया देना सिखाती है:

उनके लिए प्रार्थना करें (1 तिमोथियुस 2:1‑2)।
यदि आवश्यक हो, निजी बातचीत करें (मत्ती 18:15)।
चापलूसी और विभाजन से बचें (तीतुस 3:10‑11)।

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

शत्रु असहमति का उपयोग समुदायों को तोड़ने के लिए करता है। प्रेम, धैर्य और पारस्परिक सम्मान मिलकर एक समृद्ध समुदाय बनाते हैं।

6. एक पादरी स्वर्ग का राजदूत है
राजनीतिक नेताओं की तरह, जो क्षणभंगुर चीज़ों से जुड़े होते हैं, आपका पादरी आपकी
आत्मा का ख्याल रखता है — आपके अस्तित्व का अनन्ततम हिस्सा। उसका पद सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है — वह पवित्र है।

“आप बुजुर्गों में जो आपकी देख‑रेख कर रहे हों, उन्हें मैं
प्रेरित करता हूँ: परमेश्वर की झुंड की रक्षा करो, जो तुम्हें सौंपा गया है … न कि ऐसा कि तुम झुंड पर शासन करो, बल्कि झुंड के आदर्श बनो। जब देखभाल संपन्न हो जाए, तब तुम्हें महिमा की अचल मुकुट मिलेगी।”
— 1 पतरस 5:1‑4 (BSI)

“आप आपस में मिलकर कि अभी समय हो, परमेश्वर की महान हाथ की अधीनता में स्वयं को विनम्र करो, ताकि वह तुमको उसके समय पर ऊँचा करे।”
— 1 पतरस 5:6 (BSI)

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

ईश्वर उन्हें उठाता है जो विनम्रता और अधीनता में चलते हैं। अपने पादरी को सम्मान देना यह भी है कि आप अपने जीवन में ईश्वर की राजकीय व्यवस्था को स्वीकार करते हैं।

निष्कर्ष:

जब आप अपने पादरी को सम्मान देते हैं, तो आप ईश्वर को सम्मान देते हैं। आध्यात्मिक नेता ईश्वर के सेवक हैं, आपका भला चाहते हैं। यदि आप उन्हें सम्मान करें, उनका समर्थन करें, प्रभु में आज्ञा मानें, तो आप ईश्वर की अनुग्रह और व्यवस्था के प्रवाह में होते हैं। यदि उन्हें नीचा दिखाएँ, तो आप वही जो ईश्वर ने स्थापित किया है उसे ठुकराते हैं।

आइए हम ऐसा हृदय विकसित करें जो अपने पादरीयों की उदारतापूर्वक प्रशंसा करता है — न केवल क्योंकि वे परिपूर्ण हैं, बल्कि क्योंकि ईश्वर ने उन्हें हमें बदलने के लिए उपयोग किया है।

आपके पादरी को सम्मान दें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

“जो तुम्हें ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो मुझे
ग्रहण करता है, वह उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है।”
— मत्ती 10:40 (BSI)

ईश्वर आपको आशीर्वाद दे कि आप सम्मान और विनम्रता में चलें।

Share on:
WhatsApp

Print this post